an>

Title: Need to take adequate measures for socio-economic welfare of differently-abled persons in the country.

श्री महेश गिरी (पूर्वी दिल्ली) : महोदय, आज हमारे देश में 3 करोड़ से ज्यादा लोग किसी न किसी रूप में विकलांग हैं। उचित साधन, सुविधाएँ और मौके के अभाव में ये लोग समाज से अपने आपको अलग महसूस करते हैं। दूसरों पर निर्भरता से वे अपना आत्मसम्मान, सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मानजनक जीवन जीने की आशा खो देते हैं। ऐसे लोग जल्द ही हताशा का शिकार हो जाते हैं। हम अगर उनको उचित सुविधाएँ मुहैया कराएं, जिससे वे आत्मनिर्भर बनें, उनका सशक्तीकरण हो, तो वे जाग उठेंगे। ऐसा अनेकों बार हुआ है कि मौका और सुविधा प्रदान करने से कमजोर समझे जाने वाले लोगों ने असम्भव को सम्भव कर दिखाया। उनको शिक्षा और रोजगार का अवसर प्रदान करने की जरूरत है।

इन सभी बातों के साथ मैं इस जनहित के मुद्दे को संसद के इस सदन में रखना चाहता हूँ और उनके सशक्तीकरण और कल्याण के लिए अति आवश्यक कदम उठाने की माँग करता हूँ।